

सांध्य दैनिक

नई दृष्टि बिंदु

सु-विचार

"एक बेहतरीन जिंदगी जीने के लिए यह स्वीकार करना जरूरी है कि ...जो कुछ भी हमारे पास है वो ही सबसे अच्छा है ...!! अज्ञात...

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-273

संपादक आलोक तिवारी

दुर्ग, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 08

मूल्य - 2 रुपए

"इंसान को इंसान रहने दें, इंसान बनना बहुत कठिन है" - साक्षी के सपनों के लिए एकजुट हुआ समाज

63,000 की सहायता जुटाकर अध्यात्म पथ सेवा परिवार ने पेश की इंसानियत की मिसाल, रायपुर से दुर्ग पहुंचकर सौंपा चेक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रश्मि लोगों ने इस कठिन समय में मेरा सहयोग किया है, वे मेरे लिए भगवान से कम नहीं हैं। जब साक्षी शर्मा ने ये शब्द कहे तो माहौल भावुक हो उठा। इस पर आचार्य डॉ. अजय आर्य ने जो जवाब दिया, वह इस पूरी कहानी का सबसे बड़ा संदेश बन गया - इंसान को इंसान रहने दें, इंसान बनना बहुत कठिन है।

यह कहानी है दुर्ग की बेटी साक्षी शर्मा की, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनने का सपना देख रही है। दिन में नौकरी कर परिवार की जिम्मेदारी निभाना और रात में थकान के बाद पढ़ाई करना, यही उसकी दिनचर्या है। आर्थिक तंगी के कारण जब उअ की फीस भरना मुश्किल हो गया, तो उसके सपनों को सहारे की जरूरत पड़ी।

एक संवेदनशील पहल बनी उम्मीद की किरण

साक्षी की परेशानी के बारे में हेमा सक्सेना जी को पता चला। उन्होंने यह बात आचार्य डॉ.

अजय आर्य से साझा की। डॉ. आर्य ने अपने अध्यात्म पथ सेवा परिवार और सहयोगियों से संपर्क किया। देखते ही देखते कई हाथ मदद के लिए आगे बढ़े। इस पहल में सबसे पहले सहयोग करने वालों में रायपुर के महेंद्र नाहटा जी रहे। उन्होंने बताया कि उनके पिता स्व. पारसमल नाहटा जी ने उन्हें हमेशा जरूरतमंदों की मदद करने का संस्कार दिया है।

इस कहानी का सबसे भावुक पहलू यह रहा कि लक्ष्मी रणछोड़ धर्मार्थ न्यास की ओर से सहायता का चेक लेकर महेंद्र नाहटा जी स्वयं रायपुर से दुर्ग पहुंचे। उन्होंने कहा कि साक्षी नौकरी करती है, उसके लिए रायपुर आना मुश्किल होता, इसलिए स्वयं दुर्ग जाना ही उचित था। इस नेक कार्य में बलराम भाई चावड़ा जी ने भी सहयोग किया।

अनेक हाथ, एक उद्देश्य - जुटे 63 हजार

आचार्य डॉ. अजय आर्य के आह्वान पर कुल 63,000 की राशि जुटाई गई। यह सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि एक बेटी के सपनों पर समाज के विश्वास



का प्रतीक है।

इस अवसर पर हेमा सक्सेना जी ने कहा कि कई बार हम समाज की बुराइयों पर ही चर्चा करते

हैं, अच्छाइयों को देख नहीं पाते, लेकिन साक्षी के लिए लोगों को एकजुट होते देखना भावुक करने वाला अनुभव रहा। लक्ष्मी जेतानी ने कहा

कि परोपकार ही धर्म का सच्चा रास्ता है। वसंत आर्य ने कहा कि किसी विद्यार्थी की शिक्षा में किया गया सहयोग समाज के उज्ज्वल भविष्य

में निवेश है। शिपी आर्य जी ने कहा - जब हम किसी दूसरे के सपनों को अपना समझकर उसके साथ खड़े होते हैं, तब इंसानियत संस्कार बन जाती है।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि जरूरतमंद की मदद कर खुद को बड़ा समझना ठीक नहीं है। हम भगवान नहीं बन सकते, लेकिन किसी के जीवन में आशा की किरण जरूर बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि साक्षी की सफलता ही सभी के लिए सबसे सुंदर रिटर्न गिफ्ट होगी। साक्षी ने आभार व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि जब वह उअ बन जाएगी, तो वह भी किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करेगी।

इस पुनीत प्रयास में लक्ष्मी रणछोड़ धर्मार्थ न्यास, महेंद्र नाहटा, बलराम भाई चावड़ा, रीता ललित देशपांडे, बिंदु शिवराजन, विकास विनायक, हेमा सक्सेना, नेहा दुबे, सुनीता खिरबत, वसंत वर्मा, शिपी आर्य, ऋषभ, लक्ष्मी जेतानी सहित उन सभी गुप्त दानदाताओं का भी आभार जताया गया जिन्होंने मदद की।

राजनांदगांव में गौ हत्या मामले में बड़ी कार्रवाई



आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गौ हत्या के मामले में पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया है। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार जिले में गौ हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में मामला सही पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध

दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। वहीं नगर निगम/राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने आरोपी के द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर की कार्रवाई की।

पुलिस ने कहा है कि गौ हत्या जैसे गंभीर मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

दिल्ली हाई कोर्ट से काँकरोच जनता पार्टी के नेताओं को नहीं मिली राहत

याचिका वापस ली, शांति भंग के बॉन्ड के उल्लंघन पर अदालत ने उठाए सवाल, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से जुड़े मामले में सात दिन हिरासत में रहने के बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट से मिली रिहाई

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत से राहत देने के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। दोनों नेताओं ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन के लिए बढ़ाई गई थी। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने याचिका की स्वीकार्यता और उपलब्ध वैकल्पिक कानूनी उपायों को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद दोनों नेताओं की ओर से याचिका वापस लेने का अनुरोध किया गया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिका वापस लेने की अनुमति देने का अर्थ मामले के गुण-दोष पर कोई राय देना नहीं है। न्यायमूर्ति ने कहा कि जब कानून में दूसरे उपाय उपलब्ध हैं, तो संबंधित पक्ष को उनका इस्तेमाल करने पर विचार करना चाहिए। अदालत ने नेताओं को पहले विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष कार्यवाही का इंतजार करने और जरूरत पड़ने पर कानून के अनुसार आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी।

बॉन्ड देले के बाद उल्लंघन का आरोप

मामला जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की कोशिश से जुड़ा है। पुलिस के मुताबिक, सौरव दास और आशुतोष रांका को 13 अक्टूबर को उस समय हिरासत में लिया गया था, जब वे कथित तौर



पर बैरिकेड पार कर प्रतिबंधित प्रदर्शन स्थल में दाखिल हुए। दोनों मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन और चुनावी मतदाता सूची के विरोध गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विरोध जता रहे थे।

पुलिस का आरोप था कि दोनों ने शांति बनाए रखने के लिए पहले बॉन्ड दिया था, लेकिन उसके बाद भी प्रतिबंधित स्थल पर पहुंचकर उसका उल्लंघन किया। 14 अक्टूबर को उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद 19 अक्टूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उनकी हिरासत दो दिन और बढ़ा दी। इसी आदेश को चुनौती देते हुए दोनों नेता दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे थे।

हाई कोर्ट में क्या हुआ?

सुनवाई के दौरान अदालत ने कथित तौर पर शांति बनाए रखने के बॉन्ड का उल्लंघन किए जाने पर सवाल उठाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से हिरासत बढ़ाने के आदेश को चुनौती देते हुए दलीलों रखी गईं। वहीं अदालत ने संकेत दिया कि

इस मामले में सीधे हाई कोर्ट आने के बजाय पहले उपलब्ध वैधानिक उपाय अपनाना उचित होगा। न्यायमूर्ति ने याचिकाकर्ताओं को फिलहाल अपनी याचिका वापस लेने और मजिस्ट्रेट कोर्ट की कार्यवाही के परिणाम का इंतजार करने की सलाह दी। इसके बाद दोनों नेताओं ने याचिका वापस ले ली। इस तरह हाई कोर्ट से उन्हें तत्काल राहत नहीं मिली। हालांकि, अदालत ने हिरासत बढ़ाने के आदेश की वैधता पर अंतिम फैसला नहीं दिया और न ही मामले के मूल तथ्यों पर कोई निष्कर्ष सुनाया।

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने रिहाई का आदेश दिया

हाई कोर्ट से याचिका वापस लेने के बाद दोनों नेता विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए। 21 अक्टूबर को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आवश्यक बॉन्ड और शर्तों को स्वीकार करते हुए उनकी रिहाई का आदेश दिया। दोनों ने लिखित आश्वासन दिया कि वे शांति भंग नहीं करेंगे और जंतर-मंतर को प्रतिबंधित प्रदर्शन स्थल घोषित रखे जाने तक वहां प्रदर्शन का आह्वान नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में कोई प्रदर्शन कानून के दायरे में रहकर किया जाएगा।

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दोनों को 50-50 हजार रुपये के निजी बॉन्ड और जमानतदार बॉन्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्हें मामले की सुनवाई की प्रत्येक तारीख पर उपस्थित रहने और शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की शर्तों का पालन करने को कहा गया। इस आदेश के बाद दोनों नेताओं की सात दिन की हिरासत समाप्त हुई और उन्हें रिहा कर दिया गया।

चंडीगढ़ के ताज होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मिली रायपुर के कारोबारी की लाश



सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर के कारोबारी 56 वर्षीय दीपक मित्तल बुधवार की सुबह चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित ताज होटल के कमरे में बेसुध मिले, उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि घटना से पहले रात में एक युवती कारोबारी के कमरे में आई थी, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कारोबारी की मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटना से पहले होटल के कमरे में क्या-क्या हुआ था।

बताया जा रहा है कि वह चंडीगढ़ में मार्केट की एक अहम बैठक में शामिल होने पहुंचे थे और करीब दो

दिन से होटल में ठहरे हुए थे। दीपक मित्तल राइस मिल कारोबार के साथ पंजाब सरकार की राशन किट आपूर्ति के ठेकों से भी जुड़े बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। होटल के कमरे से शराब की बोतलें और कुछ दवाइयां मिलने की बात भी सामने आई है।

चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच में दीपक मित्तल के शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में शराब के अत्यधिक सेवन या दवाओं के संभावित ओवरडोज समेत अलग-अलग पहलुओं की जांच की जा रही है। हालांकि, उनकी मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस होटल के सीसीटीवी फुटेज और रिकॉर्ड खंगाल रही है।

फ्रेम में और कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दे रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार डेटासेट में इसी बैठक की कम से कम 10 तस्वीरें हैं, जिनमें एंगल का मामूली अंतर है

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

अमेरिकी न्याय विभाग (Department of Justice) द्वारा जारी एपस्टीन फाइल्स में केंद्रीय प्रेटोलिएम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ एक तस्वीर सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। यह तस्वीर जनवरी में जारी किए गए Dataset 9 का हिस्सा है, जो मंगलवार से सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुई।

तस्वीर में पुरी सूट में एपस्टीन के सामने कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं, बीच में मेज पर कागज रखे हैं। फ्रेम में और कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दे रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार डेटासेट में इसी बैठक की कम से कम 10 तस्वीरें हैं, जिनमें एंगल का मामूली अंतर है।

पुरी का पुराना बयान और नया स्पष्टीकरण

फरवरी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हरदीप पुरी ने कहा था कि वह एपस्टीन से 3 से 4 बार मिले हैं और ये



मुलाकातें प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर हुई थीं।

उन्होंने कहा था कि उनकी पहली मुलाकात इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट (IPI) में उनके बॉस रहे वरिष्ठ नॉर्वेजियन राजनयिक टेरजे रोड-लार्सन के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई थी। पुरी ने कहा था कि इन बैठकों का एपस्टीन के आपराधिक कृत्यों से कोई लेना-देना नहीं है।

नई तस्वीरों के सामने आने के बाद पुरी के कार्यालय ने द वायर को जवाब देते हुए कहा कि मंत्री को याद नहीं है कि तस्वीरें किस बैठक की हैं और तस्वीरें लिए जाने से पहले या बाद में अन्य लोग मौजूद थे या नहीं। कार्यालय ने यह भी कहा कि पुरी ने कभी यह दावा नहीं किया था कि वह एपस्टीन से कभी अकेले नहीं मिले, बल्कि पहली मुलाकात प्रतिनिधिमंडल के साथ होने की बात कही थी।

विपक्ष का हमला

कांग्रेस, टीएमपी और अन्य विपक्षी दलों ने सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने सवाल उठाया कि जब पुरी

प्रतिनिधिमंडल में मिलने की बात कहते हैं तो तस्वीर में वे अकेले क्यों दिख रहे हैं। खेड़ा ने दावा किया कि उद्धृत वेबसाइट पर 2014 से 2017 के बीच 62 ईमेल और 14 बैठकों का जिक्र है, जबकि पुरी ने 3-4 मुलाकातों की बात कही थी। हालांकि इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, रुबियो मुंबई जाते हैं। अमेरिकी न्याय विभाग एपस्टीन और पुरी की तस्वीरें जारी करता है। उन्होंने भाजपा-आरएसएस कार्यकर्ताओं से पूछा कि अमेरिका किसे ब्लैकमेल कर रहा है।

टीएमपी सांसद महमूद मोइज्जा ने भी तस्वीर साझा कर सवाल उठाए। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि मोदी-शाह की चुप्पी आपराधिक उदासीनता को दर्शाती है। फिलहाल सरकार की ओर से इस नई तस्वीर पर कोई औपचारिक जांच शुरू नहीं हुई है। तस्वीर में दिखना अपने आप में किसी अपराध में सलिपता साबित नहीं करता।

सच्ची खबर, सही खबर सबसे पहले, सबसे तेज

हर खबर, हर अपडेट अब YouTube पर

हमारे चैनल को YouTube पर सर्च करें

Nai Drishti Bindu

हमारे साथ जुड़ें

5K+ SUBSCRIBERS

804 VIDEOS

65.55 LAKH+ VIEWS

विश्वसनीय पत्रकारिता का विश्वास सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

अभी SUBSCRIBE करें और पाएं हर खबर सबसे पहले!

हम नहीं दिखाते सिर्फ खबर, हम दिखाते हैं नई दृष्टि!

कमीशन के लालच में बैंक खाते देने वाले 13 आरोपी गिरफ्तार



दुर्ग पुलिस की छह थानों और एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छह थाना क्षेत्रों में कार्रवाई

कमीशन के लालच में अपने और अन्य लोगों के बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने के मामले में दुर्ग पुलिस ने 13 आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी 5 हजार से 15 हजार रुपये तक के कमीशन के बदले बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और मोबाइल सिम कार्ड दूसरे लोगों को उपलब्ध करा रहे थे। इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेन-देन और हस्तांतरण में किए जाने की बात सामने आई है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाले मूल बैंक खातों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 21 अक्टूबर को यह कार्रवाई की गई। इसमें थाना नेवई, पुरानी भिलाई, भिलाई भट्टी, भिलाई नगर, सुपेला और खुसीपार पुलिस के साथ एसीसीयू की टीम शामिल रही।

लाखों रुपये के लेन-देन का खुलासा

बैंक खातों के विक्षेपण, तकनीकी साक्ष्यों और विवेचना के दौरान संबंधित खातों में लाखों रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन की जानकारी सामने आई। जांच में पता चला कि खाताधारकों ने कमीशन या अन्य आर्थिक लाभ के लालच में अपने बैंकिंग दस्तावेज और अन्य साधन उपलब्ध कराए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार, थाना नेवई क्षेत्र में चार, पुरानी भिलाई में तीन, भिलाई भट्टी में एक, भिलाई नगर में दो, सुपेला में दो और खुसीपार क्षेत्र में एक आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की गई। सभी मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2), 318(3) और 317(4) के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं।

ऐसे काम करता है मूल बैंक खातों का नेटवर्क

साइबर ठगी करने वाले अपराधी ठगी से प्राप्त रकम को छिपाने के लिए दूसरे लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल करते हैं। इन खातों के माध्यम से रकम अलग-अलग खातों में स्थानांतरित की जाती है, जिससे धनराशि के वास्तविक स्रोत और लेन-देन की कड़ियों का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। कमीशन के लालच में खाते उपलब्ध कराने वाले लोग भी जांच और कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

पुलिस ने की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि कमीशन या आर्थिक लाभ के लालच में किसी को भी अपना बैंक खाता, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, बैंकिंग संबंधी जानकारी या सिम कार्ड इस्तेमाल करने के लिए न दें। यदि किसी के बैंक खाते का दुरुपयोग हो रहा है, तो तत्काल संबंधित बैंक और नजदीकी पुलिस थाने को सूचना दें। साइबर वितीय थोखाघड़ी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

इंटरसेप्टर वाहन से तेज रफ्तार पर शिकंजा, 9 माह में 9216 वाहन चालकों पर कार्रवाई

यातायात पुलिस ने वसूला 69.44 लाख रुपए समन शुल्क, बिना हेलमेट चलने वाले 6920 चालकों पर भी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने यातायात पुलिस दुर्ग ने वर्ष 2026 के जनवरी से सितंबर तक विशेष अभियान चलाकर 9216 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 69 लाख 44 हजार 100 रुपए समन शुल्क वसूल किया गया। इंटरसेप्टर वाहन की मदद से तेज रफ्तार वाहन चालकों पर निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही बिना हेलमेट, प्रेशर हॉर्न और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों



पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, निर्धारित गति

सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाना दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण

है। इससे वाहन चालक के साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की

सड़क सुरक्षा के लिए नियमों का पालन जरूरी

यातायात पुलिस दुर्ग ने कहा कि कार्रवाई का उद्देश्य केवल चालान काटना और समन शुल्क वसूलना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाना भी है। इंटरसेप्टर वाहन के माध्यम से तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी की जा रही है, ताकि लापरवाही से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन निर्धारित गति सीमा में चलाएं, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें, अनावश्यक रूप से प्रेशर हॉर्न का उपयोग न करें और शराब सेवन के बाद वाहन न चलाएं। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहने के साथ दूसरों की सुरक्षा में भी सहयोग करें।

जान भी खतरे में पड़ सकती है।

बिना हेलमेट के 6920 चालक पकड़े गए

यातायात पुलिस की नौ माह की कार्रवाई में निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले 1862 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। वहीं, बिना

हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 6920 चालकों को नियमों के उल्लंघन पर पकड़ा गया। इसके अलावा प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने वाले 153, शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 226 तथा वाहनों में काली फिल्म लगाकर चलने वाले 55 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

शहीद पुलिस जवानों को नमन, पुलिस स्मृति दिवस परेड में दी गई श्रद्धांजलि

आईजी अभिषेक शांडिल्य ने ली परेड की सलामी, शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को किया याद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों की स्मृति में बुधवार को प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (छसबल), भिलाई परिसर स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य ने परेड की सलामी ली और शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीद जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस



अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चौहान, पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल तथा प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के सेनानी नीरज चन्द्राकर सहित अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और शहीद पुलिस कर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उन पुलिस

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया, जिन्होंने नक्सल विरोधी अभियानों, आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा जैसे चुनौतीपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका साहस और समर्पण पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को

कठिन परिस्थितियों में भी कर्तव्य के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

जनसेवा और सुरक्षा के संकल्प को दोहराया

पुलिस स्मृति दिवस शहीद जवानों को याद करने के साथ-साथ पुलिस बल के अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर भी है। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस कर्मियों ने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने संकल्प को दोहराया। दुर्ग पुलिस ने वीर शहीदों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका त्याग और आदर्श सदैव पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। साथ ही नागरिकों से कानून का पालन करने, सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और अपराध अथवा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई।

दुर्गा पंडाल की दान पेटी और टावर से कॉपर वायर चोरी



तीन आरोपी गिरफ्तार, पुरानी भिलाई पुलिस की कार्रवाई, दो नाबालिग भी शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्गा पंडाल की दान पेटी से रकम और शकुन टावर के एसी का कॉपर वायर चोरी करने के मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो विधि से संघर्षत बालक भी शामिल हैं, जिन्हें बाल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब दो किलोग्राम कॉपर वायर और 1200 रुपए नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, पहला मामला जीई रोड स्थित शकुन टावर का है। यहां जिम के एसी में लगा कॉपर वायर 28-29 की दरम्यानी रात अज्ञात लोगों ने काटकर चोरी कर लिया था। जिम संचालक नितिश दुबे की रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 591/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पूछताछ में दान पेटी की चोरी का भी खुलासा

विवेचना के दौरान संदेहियों से पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बजरंग पारा स्थित दुर्गा पंडाल की दान पेटी से रकम चोरी करने की बात भी बताई। चोरी की रकम आपस में बांटने और एसी का कॉपर वायर बोरी में भरकर रेलवे लाइन के

पास छिपाने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर कॉपर वायर और नकदी जब्त की।

3 वयस्क गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में राजू चेलक (21) और आदित्य नायक (19), दोनों निवासी बजरंग पारा, भिलाई-3, सहित एक अन्य वयस्क आरोपी के विरुद्ध गिरफ्तारी की कार्रवाई की। दो विधि से संघर्षत बालकों को निशानदेही पर बाल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अपराध क्रमांक 591/2026 और 592/2026 के तहत जांच की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों द्वारा पहले घटनास्थलों की रेकी की जाती थी। इसके बाद दान पेटी से रकम और भवनों के पीछे लगे एसी का कॉपर वायर चोरी किया गया। पुरानी भिलाई पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने नागरिकों से की अपील

दुर्ग पुलिस ने धार्मिक स्थलों, दान पेटीयों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और भवनों में लगे विद्युत उपकरणों की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की अपील की है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या चोरी की जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाने को सूचना देने कहा गया है।

पिपरछेड़ी में भिलाई इस्पात संयंत्र के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 44 ग्रामीणों की गई जांच

36 महिलाओं सहित 44 लोगों को मिला लाभ, मरीजों को वितरित की गई निःशुल्क दवाइयां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और लोगों को बेहतर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के सीएसआर विभाग द्वारा दुर्ग जिले के निकुम ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पिपरछेड़ी में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 44 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई और निःशुल्क



दवाइयां प्राप्त कीं। इनमें 8 पुरुष और 36 महिलाएं शामिल थीं। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके क्षेत्र में ही बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के प्रति जागरूक करना था।

शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करने का अवसर मिला। शिविर के आयोजन में बीएसपी-सीएसआर की ओर से डॉ. भव्या एस., फार्मासिस्ट जाह्नवी और नर्सिंग स्टाफ सदस्य तुपि कुमार ने सेवाएं दीं। मरीजों के पंजीयन की व्यवस्था राकेश कुमार ने संभाली। जिला

चिकित्सालय के ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी नंद कुमार साहू ने भी शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श मिलने से लोगों को अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक होने में मदद मिलती है। इस तरह के शिविर ग्रामीणों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल का महत्व समझाने और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं को उनके करीब पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बीएसपी द्वारा सीएसआर के अंतर्गत आसपास के गांवों में स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाना और क्षेत्रीय विकास में योगदान देना है।

000 मुख्य महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव ने किया सम्मानित, सुरक्षित कार्यप्रणाली और टीम भावना पर दिया जोर

एसएमएस-2 में 12 कर्मचारियों को मिला कर्म शिरोमणि सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले 12 कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। नवंबर 2025 से फरवरी 2026 की अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एसएमएस-2 के मुख्य महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव ने सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए सुरक्षित कार्यप्रणाली को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि संयंत्र में उत्पादन गतिविधियों के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों की कार्यकुशलता, तकनीकी दक्षता, समर्पण और टीम भावना से ही उत्पादन संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। सम्मानित कर्मचारियों ने अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यसंस्कृति को



मजबूत किया है।

समारोह में लोकनाथ बघेल, पी. सन्मुख राव, राजेंद्र प्रसाद, रमेश कांत सिन्हा, बेहतर सिंह, निशिकेश मून, प्रदीप कुमार सोम, जाकिर अली, राम अवतार ठाकुर, महावीर प्रसाद,

त्रिनाथ सोम और मनसा मांडवी को कर्म शिरोमणि सम्मान प्रदान किया गया। इन कर्मचारियों को परिचालन कुकृष्णा, बेहतर कार्य निष्पादन और विभागीय गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

अधिकारियों ने की कार्यों की सराहना

कार्यक्रम में एसएमएस-2 के महाप्रबंधक सौरभ जैन, के. राजकुमार, एस. देवसिकंदर, एन.के. देवे और एस.के. मलिक तथा उप महाप्रबंधक नितिन अग्निहोत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य महाप्रबंधक सचिवालय के संजीव सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने भी समारोह में भाग लिया। अतिथियों ने सम्मानित कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति को बढ़ावा

कर्म शिरोमणि सम्मान जैसे आयोजन कर्मचारियों के समर्पण और उपलब्धियों को पहचान देने के साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा, गुणवत्ता और निरंतर सुधार की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (मानव संसाधन-स्टील जोन-2) सिकंदर इंदोरिया, अतिरिक्त श्रम कल्याण प्रबंधक (मानव संसाधन-स्टील जोन-2) अधिकारी के.डी. बघेल और आर.के. ठाकुर ने किया।

नेहरू आर्ट गैलरी में आज से सजेगी वन्यजीव छायाचित्र की भव्य प्रदर्शनी

समलेश कुमार वर्मा के कैमरे से दिखेगी प्रकृति की खूबसूरती

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वन्यजीवों की प्राकृतिक सुंदरता, उनके व्यवहार और प्रकृति के विविध रंगों को करीब से देखने का अवसर कला एवं प्रकृति प्रेमियों को मिलने जा रहा है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में सेवानिवृत्त छायाकार कमलेश कुमार वर्मा की तीन दिवसीय एकल वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ 22 अक्टूबर को होगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) अनुराग

उपाध्याय के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा।

प्रदर्शनी 22 से 24 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से रात 8:30 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। इसमें कमलेश कुमार वर्मा द्वारा खींचे गए वन्यजीवों के विभिन्न छायाचित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। इन तस्वीरों के माध्यम से दर्शक वन्यजीवों की जीवनशैली, प्राकृतिक परिवेश और प्रकृति के अनूठे दृश्यों को कलात्मक नजरिए से देख सकेंगे।

कमलेश कुमार वर्मा भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-2 विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं। साहित्य, पत्रकारिता और छायाचित्रण के प्रति उनकी रुचि शालेय जीवन से ही रही है। उनके छायाचित्र विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन की इको टूरिज्म फोटो प्रतियोगिता में वर्ष

2002 में उन्हें पुरस्कार मिला था। वहीं, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित फोटो प्रतियोगिता में वर्ष 2009 में उन्होंने प्रथम पुरस्कार हासिल किया। उनके छायाचित्र विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के आवरण पृष्ठों पर भी प्रकाशित हो चुके हैं।

यह प्रदर्शनी केवल वन्यजीवों की तस्वीरों का संग्रह नहीं, बल्कि प्रकृति की विविधता और जीव-जंतुओं के संसार को समझने का एक माध्यम भी बनेगी। छायाचित्रों के जरिए दर्शक वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार और उनके परिवेश को खूबसूरती से महसूस कर सकेंगे। भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग ने कला प्रेमियों, छायाचित्रकारों, प्रकृति एवं वन्यजीव प्रेमियों और आम नागरिकों से प्रदर्शनी में पहुंचकर छायाचित्रों का अवलोकन करने की अपील की है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में सजेगा छत्तीसगढ़ का भव्य पवेलियन



14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा 45 वां इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य सचिव ने व्यापार मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन के निर्माण, सुरक्षा, ब्रॉडिंग और अन्य व्यवस्थाओं को समय-समय के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित मेले की थीम 'हाविकास और विकास' रही है, जो देश की आधुनिक प्रगति और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के सुंदर तालमेल को प्रदर्शित करती है।

इन प्रमुख बिंदुओं पर रहेगा विशेष फोकस

हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को मंच मुख्य सचिव ने कहा कि यह व्यापार मेला छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्पियों, स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों के लिए अपनी कला और उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक बढ़ावा है। मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन में कृषि, मिलेट और वनोपज का प्रदर्शन कृषि एवं किसान कल्याण तथा उद्यमिकी विभाग को छत्तीसगढ़ के प्रमुख मिलेट उत्पादों-कोदो, कुटकी, रागी और अन्य विशेष उत्पादों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

को लघु वनोपज संघ के माध्यम से छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय की पुष्टा व्यवस्था करने को कहा गया है।

औद्योगिक नीतियों और पर्यटन का प्रचार

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (जो इस पवेलियन का नोडल विभाग है) को नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 एवं विभिन्न निवेश योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पर्यटन विभाग को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी और संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत हथकरघा बुनकर सहकारी संघ और शबरी के माध्यम से हस्तशिल्प उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री की तैयारियों को भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों को हथकरघा बुनकर सहकारी संघ एवं वस्त्र के माध्यम से उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु हस्तशिल्पियों द्वारा प्रदर्शन किए जाने के लिए विभागीय तैयारियों की जानकारी ली। मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन में आयोजित होने वाले राज्य दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदेश के लोक कलाकारों द्वारा जीवंत प्रदर्शन की तैयारियां अभी से शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि मेले में छत्तीसगढ़ की उत्कृष्ट कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और औद्योगिक विकास की झलक अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत हो।

अर्बन चैलेंज फंड से छत्तीसगढ़ के शहरों के विकास को मिलेगी नई गति - विष्णुदेव साय

विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में शहरों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारे शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहर केवल आवास और नागरिक सुविधाओं के केंद्र नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, रोजगार और नवाचार के प्रमुख आधार भी हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ के शहरों का विकास वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित, समावेशी, टिकाऊ और आर्थिक रूप से संक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड एवं अर्बन इन्वेस्ट विंडो विषयक प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शहरी विकास को नई सोच और नई गति मिली है। अर्बन चैलेंज फंड जैसे अभिनव प्रयास शहरों को आधुनिक, सुविधासंपन्न, आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का बड़ा अवसर है। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऐसी गुणवत्तापूर्ण परियोजनाएं तैयार करनी होंगी, जो नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ शहरों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें।

नगरीय विकास को मजबूती देने दो महत्वपूर्ण एमओयू

कार्यशाला के दौरान प्रदेश के नगरीय विकास, वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और नगरीय निकायों की तकनीकी एवं संस्थागत क्षमता को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। पहला एमओयू हुडको और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा एमओयू नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेप्ट विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इन समझौतों को प्रदेश के नगरीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इनके माध्यम से नगरीय निकायों को विकास परियोजनाओं की बेहतर योजना तैयार करने, वित्तीय संसाधन जुटाने, तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करने, प्रशिक्षण और संस्थागत क्षमता विकास में सहयोग मिलेगा। इससे शहरों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि शहरी विकास में विशेषज्ञ संस्थाओं, वित्तीय संस्थाओं



और शासन के बीच मजबूत साझेदारी समय की आवश्यकता है। इस प्रकार का संस्थागत सहयोग छत्तीसगढ़ के शहरों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य में नगरीय अर्थव्यवस्था की बड़ी भूमिका

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। इसी के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने भी विकसित छत्तीसगढ़ का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इसे धरातल पर उतारने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमें ऐसे शहर विकसित करने हैं जो निवेश को आकर्षित करें, उद्योग और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें, रोजगार के नए अवसर सृजित करें और साथ ही नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। सुनियोजित शहरीकरण विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव बनेगा।

शहरों की समस्याओं का हो स्थायी समाधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगरीय निकायों से कहा कि विकास की योजनाएं केवल आज की समस्याओं के समाधान को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आगे कई दशकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच पेयजल, जल निकासी, सड़क, बिजली, स्वच्छता, परिवहन और अन्य नागरिक सुविधाओं की दीर्घकालिक योजना आवश्यक है। उन्होंने शहरों में जलभराव की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि बरसात के दिनों

में नागरिकों को होने वाली परेशानी का स्थायी समाधान होना चाहिए। इसके लिए प्रभावी और दीर्घकालिक जल निकासी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने बिजली एवं अन्य सेवाओं के अव्यवस्थित तारों की समस्या पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर जुलूस या बड़े वाहनों के आवागमन के दौरान बिजली के तारों को ऊपर उठाने जैसी स्थिति बनती है। यह न तो नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से उचित है और न ही आधुनिक शहरी व्यवस्था के अनुरूप। जहां संभव हो, वहां बिजली एवं अन्य सेवाओं के तारों को भूमिगत करने की योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरों के विकास में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। पेयजल, सड़क, बिजली, जल निकासी और स्वच्छता जैसे कार्य अलग-अलग न होकर समग्र शहरी नियोजन का हिस्सा होने चाहिए।

अपने शहरों के भविष्य की योजना बनाएं जनप्रतिनिधि

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यशाला में उपस्थित महापौरों, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्षों तथा आधिकारिकों से कहा कि जनता ने उन्हें अपने शहरों के विकास की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। इसलिए अपने शहर की वास्तविक आवश्यकताओं और समस्याओं को समझकर उनका स्थायी समाधान तलाशना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड नगरीय निकायों के लिए बड़ा अवसर है। सभी निकाय इसके प्रावधानों का गंभीरता से अध्ययन करें, विशेषज्ञों से सलाह करें और ऐसी परियोजनाएं तैयार करें जो तकनीकी रूप से मजबूत, नागरिकों के लिए उपयोगी

और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला से मिलने वाला तकनीकी मार्गदर्शन और विशेषज्ञों के सुझाव प्रदेश के नगरीय विकास को नई दिशा देंगे। शासन, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों और विशेषज्ञ संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित, सुविधासंपन्न और आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार शसवका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों तक सड़क, बिजली, आवास और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से भी जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिली है। प्रदेश में रेल अधोसंरचना के विस्तार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को रेलवे के क्षेत्र में लगातार बड़ी सौगातें मिल रही हैं। बस्तर के रावचाट क्षेत्र तक रेल संपर्क का विस्तार तथा रायपुर से कुरुद तक रेल सेवा का शुभारंभ प्रदेश के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक और खनिज संपदा से समृद्ध प्रदेश है। यहां की उर्वर भूमि, पशु संसाधन और परिश्रमी नागरिक हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलताओं ने प्रदेश में विकास और निवेश की नई संभावनाओं को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़ियाश की पहचान को और सशक्त करते हुए हम सभी को मिलकर ऐसा छत्तीसगढ़ बनाया है, जो वर्ष 2047 के विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए।

एक लाख करोड़ रुपए का अर्बन चैलेंज फंड शहरों के लिए बड़ा अवसर रू श्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अर्बन चैलेंज फंड के लिए एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह छत्तीसगढ़ के शहरों के विकास के लिए बड़ा अवसर है। अब चुनौती यह है कि प्रदेश के नगरीय निकाय किती गुणवत्तापूर्ण और व्यवहार्य परियोजनाएं तैयार कर इस फंड से अधिकतम संसाधन प्राप्त कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक के साथ नागरिकों की अपेक्षाएं भी बदल रही हैं।

जर्मनी में श्रीमंत झा ने लहराया तिरंगा सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी परीक्षा आयोजित करने दी सहमति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जर्मनी पैरा-आमरसलिंग कप 2026 में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाले प्रदेश के प्रतिभाशाली पैरा-आमरसलर श्रीमंत झा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमंत झा ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी अद्भुत प्रतिभा, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए शानदार उपलब्धि हासिल की है। उनकी यह सफलता पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और हर्ष का विषय है।

श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। श्रीमंत झा ने अपनी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर यह सिद्ध किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और



निरंतर प्रयासों से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। जर्मनी में रजत पदक जीतकर उन्होंने न केवल प्रदेश का मान बढ़ाया है, बल्कि छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं की क्षमता और सामर्थ्य को भी विश्व मंच पर प्रदर्शित किया है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि श्रीमंत झा की यह उपलब्धि विशेष

रूप से प्रदेश के युवा और दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका संघर्ष, समर्पण और खेल के प्रति जुनून उन सभी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का हौसला देता है, जो सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के सेवारत शासकीय शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के विशेष आयोजन के प्रस्ताव को सहमति प्रदान की है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ कमर्चारी चयन मंडल के माध्यम से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (ऑब्ज) पद्धति से आयोजित की जाएगी। शासन ने वर्ष में न्यूनतम दो बार परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सेवारत शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने के पर्याप्त अवसर मिल सकें।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सविन अवपील क्रमांक 1385/2025 में 1 सितंबर 2025 तथा पुनर्विचार याचिका में

कक्षा पहली से आठवीं तक के सेवारत शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने का मिलेगा अवसर

29 मई 2026 को पारित निर्णय के अनुपालन में यह निर्णय लिया गया है। न्यायालय के निर्देशानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के ऐसे समस्त सेवारत शिक्षक, जिनकी सेवा अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक शेष है, उन्हें सेवा में बने रहने अथवा पदोन्नति के लिए निर्धारित स्तर की टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्य को निर्देशित किया गया है कि गैर-टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों के लिए प्रतियोगी न्यूनतम दो बार शिक्षक पात्रता परीक्षा

का विशेष आयोजन किया जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 24 सितंबर 2026 को शासन को प्रस्ताव भेजा गया था, जिस पर राज्य सरकार ने सहमति प्रदान की है। शासन के निर्णय के अनुसार टीईटी परीक्षा निजी तकनीकी सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) पद्धति से आयोजित की जाएगी। परीक्षा एक से अधिक पालियों में होगी तथा सभी पालियों के लिए तैयार प्रश्नपत्रों का स्तर समान रखा जाएगा, जिससे परीक्षा प्रक्रिया में एकरूपता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। विशेष टीईटी परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले शिक्षकों को राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एएसईआईआरटी), रायपुर द्वारा प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

बाबा गुरु घासीदास के सत्य, अहिंसा और सामाजिक समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार - साय



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज आरंग विकासखंड स्थित सतनाम पंथ की आस्था के प्रमुख केंद्र भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरुमोहि आसन के दर्शन कर नमन किया और प्रदेशवासियों को सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 29 करोड़ रुपए की लागत के तीन महत्वपूर्ण सड़क विकास

कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी ने सत्य, अहिंसा, करुणा, समानता और सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया, वह संपूर्ण मानव समाज के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेगा। बाबा गुरु घासीदास जी का अमर संदेश मन-बे-मन एक समान हमें भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की पावन कर्मभूमि भण्डारपुरी धाम सतनाम पंथ की आस्था के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला हमारी आस्था,

सामाजिक एकता और सद्भाव की गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार बाबा गुरु घासीदास जी के बताए सत्य, करुणा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास की यात्रा में कोई भी समाज, वर्ग अथवा क्षेत्र पीछे न रहे, इसी भावना के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतनामी की शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। समाज के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली स्थित कोचिंग संस्था में सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 की गई है। उन्होंने भण्डारपुरी में मोती महल के भूमिपूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़े स्थलों के विकास एवं संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य सरकार की एक अनूठी और दूरदर्शी पहल के तहत छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को एक नया और पेशेवर आयाम देने वाली देश की पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रंगांगार और भव्य शुभारंभ रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया गया। चलचर रे सगी हॉकी खेलबो के जीवंत उद्घोष के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियनों, दिग्गज खिलाड़ियों और छत्तीसगढ़ के उभरते युवा खिलाड़ियों का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन से राज्य के खेल जगत में प्रतिस्पर्धा का एक बिल्कुल नया दौर शुरू हो गया है, जो स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमकने का सुनहरा अवसर देगा।



समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा, समारोह में राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष

चन्द्रहास चंद्रकार और खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के ब्रांड एम्बेसडर सरदार सिंह, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान सहित कई गणमान्य नागरिक और खेलप्रेमी भारी संख्या में मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खड्गसे

ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आने का यह उनका दूसरा अवसर है, इससे पहले वे बस्तर में खेलो इंडिया ट्राइबल खेल के आयोजन के दौरान यहाँ आई थीं। उन्होंने देश की खेल प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भारत खेलों में लगातार आगे बढ़ रहा है और सरकार का मुख्य उद्देश्य खेल को देश के हर घर तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर आयोजन किए जा रहे हैं और इसके लिए पर्याप्त बजट भी प्रदान किया जा रहा है। आज केवल क्रिकेट ही नहीं, बल्कि अन्य सभी खेलों को भी समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है।

समारोह के अति विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने अपने प्रणामदायक संबोधन में कहा कि इस छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की गूंज पूरे राज्य में चलो रे सगी हॉकी खेलबो के रूप में गूंजेगी और आज का यह ऐतिहासिक अवसर हम

सभी के लिए अत्यंत यादगार रहेगा। उन्होंने बड़े गर्व के साथ याद दिलाया कि आज ही के दिन, ठीक 25 साल पहले भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने विश्व कप जीता था, और उसी स्वर्णिम विजेता टीम के सम्मानित सदस्य प्रदेश चौहान इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। श्री साव ने कहा कि राज्य में हॉकी के खेल को उत्कृष्ट और पेशेवर स्तर पर स्थापित करने में यह प्रतियोगिता मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ की माटी ने विन्सेंट लकड़ा, मृणाल चौबे, रेणुका यादव और सबा अंजुम जैसे महान हॉकी खिलाड़ी देश को दिए हैं। राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है और छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए ऐसा उच्च-स्तरीय मंच मिलना बड़े सौभाग्य की बात है।



संपादकीय

ऑनलाइन बाजार की चमक छोटे व्यापारियों पर संकट

छूट की होड़ में कमजोर पड़ता स्थानीय कारोबार, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा समय की मांग

ऑनलाइन खरीदारी ने बाजार को मोबाइल की स्क्रीन तक सीमित कर दिया है। एक क्लिक पर सामान, आकर्षक छूट और घर तक डिलीवरी ने ग्राहकों की जिंदगी आसान बनाई है। लेकिन इस सुविधा के बीच एक सवाल तेजी से उभर रहा है—जब खरीदारी ऑनलाइन सिमट रही है, तो छोटे दुकानदारों का भविष्य क्या होगा?

स्थानीय बाजार केवल सामान खरीदने-बेचने की जगह नहीं, बल्कि रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। किराना दुकानदार, कपड़ा व्यापारी, इलेक्ट्रॉनिक्स विक्रेता और छोटे कारोबारी सीमित पूंजी में दुकान का किराया, बिजली बिल और कर्मचारियों का वेतन चुकाकर कारोबार चलाते हैं। दूसरी ओर, बड़ी ऑनलाइन कंपनियों के आकर्षक डिस्काउंट और बिजली अंधियान के सामने उनके लिए कीमतों में मुकाबला करना कठिन होता जा रहा है।

सवाल ऑनलाइन खरीदारी का विरोध करने का नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के समान अवसर सुनिश्चित करने का है। ग्राहक को सस्ता सामान मिलना चाहिए, लेकिन कीमतों की होड़ में छोटे कारोबारियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होना भी चिंता का विषय है। स्थानीय व्यापार कमजोर होने का असर केवल दुकानदार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उससे जुड़े कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और उनके परिवारों

की आजीविका भी प्रभावित होगी।

हालांकि छोटे व्यापारियों को भी समय के साथ बदलना होगा। डिजिटल भुगतान, क्लाउड-आधारित जर्नलिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग, घर तक डिलीवरी और बेहतर ग्राहक सेवा अपनाकर वे अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं। इसके लिए सरकार और व्यापारिक संगठनों को डिजिटल प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आसान वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए।

सरकार की जिम्मेदारी है कि ऑनलाइन बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बनी रहे और भ्रामक विज्ञापनों तथा अनुचित कारोबारी तरीकों पर निगरानी रखी जाए। वहीं, उपभोक्ताओं को भी केवल छूट नहीं, बल्कि गुणवत्ता, वारंटी और बिजली के बाद मिलने वाली सेवा को ध्यान में रखकर खरीदारी करनी चाहिए।

ऑनलाइन बाजार आधुनिक समय की जरूरत है और इसे रोकना समाधान नहीं। जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जिसमें बड़ी कंपनियों के साथ छोटे दुकानदारों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिले। बाजार की सफलता केवल सस्ती खरीदारी में नहीं, बल्कि रोजगार और कारोबार के अवसर बचाए रखने में भी है। डिजिटल विकास तभी सार्थक होगा, जब उसकी चमक बड़े कारोबारी मंचों तक सीमित न रहकर स्थानीय बाजारों और छोटे व्यापारियों तक भी पहुंचे।

वीर जवानों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से छत्तीसगढ़ में शांति और सुरक्षा का नया अध्याय

पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री ने अमर शहीद जवानों की श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों का किया सम्मान

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता हमारे वीर पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस, शौर्य, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। दशकों तक नक्सल हिंसा और भय से प्रभावित रहे बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुरक्षा और विश्वास का नया वातावरण बना है। इस ऐतिहासिक परिवर्तन के पीछे उन असंख्य वीर जवानों का त्याग और बलिदान है, जिन्होंने प्रदेश और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अमर शहीदों का बलिदान सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय साय ने आज पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के प्रांगण में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों की ओर से कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को नमन किया और शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के परिजनों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता और संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस देश की एकता, अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की अमर शौर्यगाथा को स्मरण करने का दिन है। हमारे पुलिस और सुरक्षा बल कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं। उनकी वीरता और समर्पण के कारण ही समाज में शांति और सुरक्षा का वातावरण सुनिश्चित होता है।

उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में भारत-तिब्बत सीमा पर तैनात भारतीय पुलिस के जवानों ने चीनी सैनिकों के एक बड़े दस्ते का अदम्य साहस के साथ सामना किया था। इस संघर्ष में हमारे 10 वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उन सभी पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति दी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस केवल शहीदों की श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की महान परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का भी दिन है। एक जवान जब देश और समाज की सुरक्षा के लिए कर्तव्य पथ पर खड़ा होता है, तब उसके पीछे उसके पूरे

परिवार का त्याग, धैर्य और साहस भी जुड़ा होता है। इसलिए हमारे शहीद जवानों के परिवारों का सम्मान और कल्याण सरकार की जिम्मेदारी और सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शहीद परिवारों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। शहीदों के परिजनों ने जिस साहस और धैर्य के साथ अपने प्रियजनों के बलिदान को राष्ट्रसेवा के गौरव में परिवर्तित किया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। प्रदेश अपने अमर शहीदों और उनके परिवारों के योगदान को कभी नहीं भूलेगा।

नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में जवानों ने रचा शौर्य का इतिहास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए इस वर्ष का पुलिस स्मृति दिवस विशेष महत्व रखता है। प्रदेश ने नक्सलवाद के विरुद्ध लंबे संघर्ष के बाद शांति, सुरक्षा



और विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता में छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों का योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने जीवन की परवाह किए बिना नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष किया। उनके अदम्य साहस और पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता सुनिश्चित हुई है। अनेक जवानों ने इस संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य और बलिदान छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में नक्सलवाद के उन्मूलन का संकल्प साकार हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों तथा सुरक्षा बलों के साहस से बस्तर में शांति और

विश्वास का नया वातावरण बना है।

हजारों कभी भय का साया था, वहां अब पहुंच रही विकास की रोशनी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर के जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा और भय का वातावरण था, वहां अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। दूरस्थ गांवों तक शासन की योजनाएं और सेवाएं पहुंच रही हैं तथा लोगों का लोकतांत्रिक व्यवस्था और शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि नियत नैखनार योजना, पीएम जनमन और धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ और वंचित जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सुरक्षा और विकास के समन्वित प्रयासों से बस्तर में सकारात्मक बदलाव की नई यात्रा प्रारंभ हुई है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता के बाद अब प्रदेश के सामने शांति को स्थायी बनाने और विकास की गति को और तेज करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हमारी सरकार बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ को समृद्धि और खुशहाली की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। नक्सलवाद के विरुद्ध मिली ऐतिहासिक सफलता विकसित छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है।

पुलिस बल के आधुनिकीकरण और जवानों के कल्याण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस और सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक और संसाधनों से सशक्त बनाने, बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा जवानों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कानून का शासन, नागरिकों की सुरक्षा और जनता का विश्वास राज्य सरकार की सर्वोच्च

प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान अपने साहस, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ प्रदेश की शांति, सुरक्षा और प्रगति के प्रहरी बने रहेंगे। अमर शहीदों का त्याग और बलिदान वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।

कर्तव्य पथ पर बलिदान देने वाले वीर जवानों का त्याग सदैव स्मरणीय - विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुलिस स्मृति दिवस पर अमर शहीद जवानों की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और जनसेवा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों का त्याग सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने बताया कि 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 की अवधि में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस के अनेक वीर जवानों ने वीरगति प्राप्त की। इन जवानों ने अदम्य साहस, शौर्य और समर्पण के साथ कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर किए। उनका बलिदान पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों ने नक्सलवाद को पीछे धकेलने में असाधारण साहस और पराक्रम का परिचय दिया है। आज हमारे जवान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जवानों की वीरता के साथ उनके परिवारों का त्याग, धैर्य और साहस भी उतना ही महान है।

नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में मिली निर्णायक सफलता - अरुण देव गौतम

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हाट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों का वीरतापूर्वक सामना करते हुए शहीद हुए 10 पुलिस जवानों की शौर्यगाथा का स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से अब तक कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के त्याग से देश की सुरक्षा, शांति और लोकतांत्रिक व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। पुलिस महानिदेशक श्री गौतम ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक माओवादी हिंसा की गंभीर चुनौती से जूझता रहा है। इस कठिन संघर्ष में छत्तीसगढ़ पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा बलों के सामूहिक प्रयासों, साहस और बलिदान से सशस्त्र नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में निर्णायक सफलता मिली है।

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल

विशेष आलेख

डॉ. उषा किरण बड़ाईक
संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक पक्के आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है।

राज्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिष्ट से कोशिश की गई है। जिंदगी भर अपने पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी-थोड़ी बचत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संबल मिला तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है।

प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने की निर्णय लिया गया। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया



है। आत्मसम्पत्ति नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केन्द्र शासन से मिली। जिनमें से राज्य में 5600 आवास स्वीकृत हुए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 47 हजार हितग्राहियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए थे। नवीन सरकार गठन के बाद इस श्रेणी के 39000 आवास स्वीकृत किए गये। जिसमें 24000 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वर्ष 2024 का नया सर्वे - वर्ष 2024 में आवास प्लस 2.0 का नया सर्वे किया गया। 11 सितंबर 2026 को भारत सरकार से छत्तीसगढ़ को करीब 3.65 लाख नए आवासों का लक्ष्य मिला है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 2 लाख 43 हजार स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों में एएचपी घटक के 29,267 आवास हैं।

पिछले बार्ड वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत राज्य की प्रगति

बीएलसी घटक के अंतर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एएचपी घटक में 14,687 हितग्राहियों को आवास आवंटित किया गया है। एएचपी घटक में 12,530 हितग्राहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थापन किया गया है। आवास निर्माण हेतु नगरीय निकायों को 909 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री

आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी शहरों में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक आधारित सर्वे और तेज स्वीकृति प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणाधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्षों से कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। टपकती छत, दीवारों में सीलन, गमों और टंड से बचाव की कठिनाइयां तथा असुरक्षित आवास जैसी समस्याएं रही हैं। ऐसे परिवारों के लिए पक्का मकान केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जीवन में स्थायी बदलाव का माध्यम है। बुनियादी सुविधाएं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लेकर आ रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनसामान्य को स्वच्छ पेयजल, राशन, गैस चूल्हा व सिलेंडर, बिजली, शौचालय, जैसी अन्य सुविधाएं मिलने पर आवास की महत्ता एवं उपयोगिता बढ़ जाती है एवं जीवन स्तर में उन्नयन विकास की दिशा में अग्रसर है।

चित्र पहली

यहां दिए गए चित्रों के आधार पर रिक्त वर्गों को यदि बाएं से दाएं भर लें तो ऊपर से नीचे आपको गोविंदा की 2009 की एक फिल्म का नाम मिल जाएगा।

शौडो गेम

तस्वीर की वास्तविक परछाईं में गोल घेरा लगाइए।

शब्द गोल

कल के आधार पर गोल में अक्षर लिख कर सार्थक शब्द बनाइये। इस बार सभी उतरों का आखिरी अक्षर 'ट' होगा।

1	वि	2
6	रा	3
5	ट	4

-: संकेत :-

1. अत्यंत विशाल। 2. बहुत प्रतापी राजा। 3. बनावटी व्यवहार, धोखा। 4. वाल्य, दरवाजा, किवाड़। 5. अतिशयोक्ति, लू का झोंका। 6. मिट्टी-सीमेंट का बना मसाला।

नोट : आज की पहेलियों के सही उत्तर अगले अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।

एरो क्रॉसवर्ड

रामचरित, मानस के रचयिता।	मकेंद्र, बंदर।	छटिया।
लय से रहित।	रपटने का भय।	गैर-हाजिर।
नसीब-हीन शाह की एक फिल्म।	मृत्यु।	लगाटा।
विद्वयक।	माफ़ी।	
सहस्र।	इमरान हाशमी की एक फिल्म।	
स्टेड का हिंदी प्रयास।	कारण।	
	अलग व दूर।	नवीन।
	तुच्छ और सापेक्ष।	
धारण करना।		

यह पहेली क्रॉसवर्ड की तरह है। पर इस पहेली में संकेत पहेली के अंदर ही लिखे हुए हैं। संकेत और तीर की दिशा के आधार पर आपको इस हल करना है।

मिरर गेम

बताइये कि शब्द 'अकाल्पनिक' का प्रतिबिंब दर्पण में कैसा दिखेगा?

(a) कनीमलकष (b) कनीमलकष (c) कनीमलकष (d) कनीमलकष

मंगलवार को प्रकाशित पहेलियों के हल

शब्दजाल का हल	नंबर गेम का हल																																																																																																																																																		
<table><tr><td>यू</td><td>न</td><td>वी</td><td>आ</td><td>र</td><td>कै</td><td>मै</td><td>ल</td><td>ध</td><td>दा</td></tr><tr><td>सो</td><td>नी</td><td>फे</td><td>स</td><td>ट</td><td>गा</td><td>न</td><td>क्रो</td><td>ज</td><td>दा</td></tr><tr><td>ह</td><td>रा</td><td>औ</td><td>क</td><td>स</td><td>जु</td><td>ब</td><td>दिल</td><td>वा</td><td>ले</td></tr><tr><td>बे</td><td>थ</td><td>ट</td><td>र</td><td>अ</td><td>ल</td><td>स</td><td>र</td><td>ज</td><td>मों</td></tr><tr><td>खु</td><td>र</td><td>म</td><td>ण</td><td>ह</td><td>रा</td><td>दा</td><td>ड</td><td>क</td><td>भा</td></tr><tr><td>दी</td><td>ड</td><td>र</td><td>न</td><td>ज</td><td>म</td><td>वे</td><td>स</td><td>रु</td><td>दे</td></tr><tr><td>थ</td><td>क</td><td>क</td><td>ल</td><td>प</td><td>दी</td><td>व</td><td>चा</td><td>पू</td><td>मै</td></tr><tr><td>ख</td><td>या</td><td>च</td><td>क्र</td><td>रे</td><td>ह</td><td>चा</td><td>न</td><td>ड</td><td>त</td></tr><tr><td>र</td><td>ल</td><td>प</td><td>न</td><td>ल</td><td>ज</td><td>क</td><td>रु</td><td>श्म</td><td>क्ष</td></tr><tr><td>ह</td><td>क</td><td>घ</td><td>फ</td><td>रा</td><td>च</td><td>ता</td><td>ग</td><td>मा</td><td>दु</td></tr><tr><td>ट</td><td>कू</td><td>छ</td><td>क</td><td>छ</td><td>हो</td><td>ता</td><td>है</td><td>ज</td><td>ल</td></tr></table>	यू	न	वी	आ	र	कै	मै	ल	ध	दा	सो	नी	फे	स	ट	गा	न	क्रो	ज	दा	ह	रा	औ	क	स	जु	ब	दिल	वा	ले	बे	थ	ट	र	अ	ल	स	र	ज	मों	खु	र	म	ण	ह	रा	दा	ड	क	भा	दी	ड	र	न	ज	म	वे	स	रु	दे	थ	क	क	ल	प	दी	व	चा	पू	मै	ख	या	च	क्र	रे	ह	चा	न	ड	त	र	ल	प	न	ल	ज	क	रु	श्म	क्ष	ह	क	घ	फ	रा	च	ता	ग	मा	दु	ट	कू	छ	क	छ	हो	ता	है	ज	ल	<table><tr><td>70</td><td>/</td><td>14</td><td>+</td><td>41</td><td>46</td></tr><tr><td>×</td><td>×</td><td>×</td><td>×</td><td>×</td><td>×</td></tr><tr><td>24</td><td>+</td><td>28</td><td>-</td><td>29</td><td>23</td></tr><tr><td>/</td><td>/</td><td>/</td><td>/</td><td>/</td><td>/</td></tr><tr><td>48</td><td>×</td><td>8</td><td>/</td><td>12</td><td>32</td></tr><tr><td>35</td><td>49</td><td>21</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>	70	/	14	+	41	46	×	×	×	×	×	×	24	+	28	-	29	23	/	/	/	/	/	/	48	×	8	/	12	32	35	49	21			
यू	न	वी	आ	र	कै	मै	ल	ध	दा																																																																																																																																										
सो	नी	फे	स	ट	गा	न	क्रो	ज	दा																																																																																																																																										
ह	रा	औ	क	स	जु	ब	दिल	वा	ले																																																																																																																																										
बे	थ	ट	र	अ	ल	स	र	ज	मों																																																																																																																																										
खु	र	म	ण	ह	रा	दा	ड	क	भा																																																																																																																																										
दी	ड	र	न	ज	म	वे	स	रु	दे																																																																																																																																										
थ	क	क	ल	प	दी	व	चा	पू	मै																																																																																																																																										
ख	या	च	क्र	रे	ह	चा	न	ड	त																																																																																																																																										
र	ल	प	न	ल	ज	क	रु	श्म	क्ष																																																																																																																																										
ह	क	घ	फ	रा	च	ता	ग	मा	दु																																																																																																																																										
ट	कू	छ	क	छ	हो	ता	है	ज	ल																																																																																																																																										
70	/	14	+	41	46																																																																																																																																														
×	×	×	×	×	×																																																																																																																																														
24	+	28	-	29	23																																																																																																																																														
/	/	/	/	/	/																																																																																																																																														
48	×	8	/	12	32																																																																																																																																														
35	49	21																																																																																																																																																	

मिरर गेम के उत्तर 1.(b), 2.(a). द कॉमन थिंग का उत्तर सभी गोलफ खिलाड़ी हैं। शौडो गेम का उत्तर

पद्मनाभपुर में 'गरबी गरबा' की रही धूम

माता की आरती, धुनुची नृत्य और बंगाली-गुजराती संस्कृति के संगम ने मन मोहा, आयोजन संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा के मार्गदर्शन में हुआ



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पद्मनाभपुर ओल्ड एलआईजी ग्राउंड में 19 अक्टूबर को हज़ारों की गरबाह भव्यता से संपन्न हुआ। माता की आरती, धुनुची नृत्य और बंगाली-गुजराती संस्कृति के संगम ने मन मोहा। आयोजन संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा के मार्गदर्शन और मुख्य संचालक अनुभव सखलेचा, आशीष तैलंग के नेतृत्व में हुआ। बंगाली समाज व एलआईजी ग्राउंड समिति का सहयोग रहा।

अतिथि: अति विशिष्ट अतिथि कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव (बीएसएफ), विशेष अतिथि डॉ. दीपक कोठारी। संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा का विशेष सम्मान हुआ। सम्मानित हस्तियाँ: डॉ. भावना दिवाकर, डॉ. संकल्प राय (रक्त साइबर नोडल), संध्या रिशे, कमर खान (सेवानिवृत्त उरद), डॉ. प्रीति अजय बेहरा, रत्ना नारमदेव, मनीष शुक्ला (पूर्व सेना हवलदार, ऑपरेशन सिंदूर), गौरव शर्मा (एलडरमैन)।

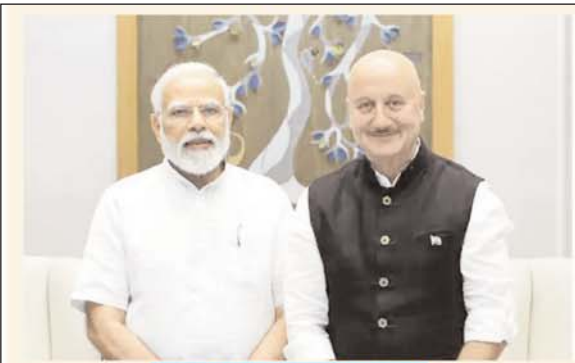
विशेष उपस्थिति: अखेर राज सखलेचा, सरोज सखलेचा, श्री नायर, रमेश चोपड़ा (एलआईजी ग्राउंड), राजेश पटानिया, लहरी और गरबी गरबा समूह।

सांस्कृतिक प्रस्तुति: शुभारंभ नृत्य निर्देशक अर्निका बिस्वास के नेतृत्व में। सूर्यकला और अनुभव सखलेचा ने आरती-भजन, अर्निका बिस्वास, संजय अग्रवाल व टीम ने धुनुची नृत्य प्रस्तुत किया। मंच संचालन स्वाती पटेल, नीतू गर्ग, आशीष तैलंग ने किया। टंग टिवस्टर गरबा में सूर्यकला, स्वाती पटेल ने हिस्सा लिया। नृत्य निर्देशक आदित्य सर, राम महतो सर, हरीश सर, अर्निका बिस्वास, राशि मैम ने प्रस्तुतियाँ दीं। आयोजन टीम: निर्देशन - अनुभव सखलेचा, आशीष तैलंग, संजय अग्रवाल। सह-मेजबान - सूर्यकला, नीतू गर्ग, स्वाती पटेल, शालिनी पटेल, रोमा सिंह, तुषि साहू, हिमांशु, योगेश राठी, आशीष दत्ता, कु. जान्दवी, अंकित शाह, शरद गर्ग, विशाल त्रेहान।

सहयोगी: डॉ. कृष्णा अग्रवाल, वर्षा तैलंग, दलजीत कोराडा, मंजू श्री नौकरकर, नीरा पांडे, नमिता बंसल, शांति शर्मा, पूजा तिवारी, रीता सुराना, नेहा हीरवानी, अव्या तैलंग, राशि महतो, वत्सला नायर, खुशी चोपड़ा, मंगला, समिता चंद।

पुलिस उपस्थिति में शांतिपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ, पुलिस विभाग का आभार जताया गया।





बॉलीवुड अपडेट

अमेरिकी डोन्स पर मैरी मिलबेन का आरोप



अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने आरोप लगाया है कि अमेरिका में मौजूद कुछ दानदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध के कारण भारत में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को आर्थिक मदद दे रहे हैं। उन्होंने भारतीय युवाओं से इस संगठन की कथित विघटनकारी गतिविधियों के खिलाफ आगे आने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने की अपील की है। हालांकि, उनके आरोपों के समर्थन में सार्वजनिक रूप से सत्यापित विचीय साक्ष्य सामने आने की पुष्टि नहीं हुई है।

मैरी मिलबेन ने 14 अक्टूबर को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह दावा किया। उनका बयान ऐसे समय आया, जब दिल्ली में विपक्षी दलों और सीजेपी से जुड़े प्रदर्शनकारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव के बीच मिलबेन के बयान ने बहस को और तेज कर दिया है।



अभिनेता अनुपम खेर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे प्रदर्शनों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की जा रही टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मैसेज जारी किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना और विरोध प्रदर्शन करना सभी का अधिकार है, लेकिन प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ अभद्र भाषा

का इस्तेमाल करना और पुलिसकर्मियों से बदसलूकी करना बिल्कुल गलत है। अनुपम ने प्रदर्शनकारियों से वोट चोरी के दावों के कानूनी सबूत देने की मांग की है। 'गाली-गलौज से नहीं बनती विरोध की बात' अनुपम खेर ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के खिलाफ इस्तेमाल की जा रही अभद्र भाषा से काफी आहत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के प्रधानमंत्री पद का सम्मान

होना चाहिए। अनुपम के अनुसार, किसी भी मुद्दे पर असहमति और विरोध का अपना स्थान होता है, लेकिन अपनी बात रखने के लिए गाली-गलौज का सहारा लेना सही नहीं है। उन्होंने प्रदर्शनों के दौरान महिला पुलिसकर्मियों के साथ की गई बदसलूकी, अभद्र व्यवहार और उकसावे वाली हरकतों पर भी कड़ा एतराज जताया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और

मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों पर बोलते हुए अनुपम खेर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोपों को साबित करने के लिए सबूत जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को चुनाव प्रक्रिया या चुनाव आयोग पर कोई शक है, तो उन्हें कानूनी और संवैधानिक रास्तों का इस्तेमाल करते हुए सबूत पेश करने चाहिए।



श्रिया सरन ने ऑडिशन के लिए शादी छोड़ी

माता-पिता चाहते थे कि श्रिया सरन पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग में आएँ, लेकिन एक म्यूजिक वीडियो ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। तेलुगु फिल्म 'इष्टम' से करियर शुरू करने वाली श्रिया ने साउथ की फिल्मों में पहचान बनाई, लेकिन बॉलीवुड में संघर्ष करना पड़ा। 'तुझे मेरी कसम', 'शुक्रिया' और 'मिशन इस्तांबुल' से उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। उन्होंने करियर में गलत फैसले लेने की बात भी स्वीकार की। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रजनीकांत की 'शिवाजी', अजय देवगन की 'दृश्यम्' फ्रेचाइज और एसएस राजामौली की 'आरआरआर' ने उन्हें नई पहचान दी। डांस टीचर की सलाह ने बदली जिंदगी, बिना प्लानिंग के फिल्मों में आई श्रिया सरन का फिल्मी सफर पारंपरिक तरीके से शुरू नहीं हुआ। उनके परिवार का फिल्मों से कोई संबंध नहीं था और न ही उन्होंने बचपन से अभिनेत्री बनने का सपना देखा था। उनका जन्म 11 सितंबर 1982 को हुआ। हरिद्वार में शुरूआती जीवन बिताने के बाद वह दिल्ली आई। वहां उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई के साथ कथक की ट्रेनिंग भी ली।

कॉलेज के दिनों में म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिलने से श्रिया की जिंदगी बदल गई। उनकी डांस टीचर ने प्रोडक्शन कंपनी को उनका नाम सुझाया था। श्रिया ने इसे करियर बनाने की योजना के बजाय नया अनुभव माना और ऑडिशन देने पहुंच गई।

इसके बाद वह 'थिरकती क्यों हवा' म्यूजिक वीडियो में नजर आई, जिसने फिल्मों के दरवाजे खोले। उन्हें तेलुगु

फिल्म 'इष्टम' का ऑफर मिला और 17 साल की उम्र में वह अभिनय की दुनिया में आ गई।

माता-पिता की शर्त थी, पहले पूरी करो पढ़ाई

श्रिया के माता-पिता उनके एक्टिंग के फैसले से बहुत उत्साहित नहीं थे। उनके पिता इंजीनियर थे और मां स्कूल में केमिस्ट्री की टीचर थीं। परिवार चाहता था कि बेटी पहले पढ़ाई पूरी करे, फिर करियर का फैसला ले। श्रिया के सामने शर्त थी कि वह फिल्मों में काम करें, लेकिन पढ़ाई बीच में न छोड़े। उन्हें दोनों जिम्मेदारियों साथ निभानी थीं।

तेलुगु फिल्म 'इष्टम' की शूटिंग के लिए उन्हें हैदराबाद जाना पड़ा। सेट पर काम सीखने के साथ कॉलेज की पढ़ाई भी जारी रखनी थी। भाषा की चुनौती भी थी, क्योंकि उन्हें तेलुगु नहीं आती थी। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में श्रिया ने शूटिंग के शुरूआती दिनों का किस्सा सुनाया था। एक बार तेलुगु डायलॉग बोलते हुए वह अटक गई।

निर्देशक ने कहा कि डायलॉग नहीं बोल पाई तो उन्हें दिल्ली लौटना पड़ेगा। श्रिया ने तुरंत डायलॉग बोल दिया, क्योंकि वह कॉलेज लौटने के बजाय फिल्म की शूटिंग जारी रखना चाहती थी। 'इष्टम' के बाद श्रिया को तेलुगु फिल्मों में काम मिलने लगा। 2002 में आई 'संतोषम्' उनके करियर की शुरूआती सफल फिल्मों में शामिल रही। इसके बाद उन्होंने तमिल-तेलुगु सिनेमा में लगातार काम किया। हिंदी फिल्मों में उनका सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने 'तुझे मेरी कसम', 'शुक्रिया: टिल डेथ डू अस अपार्ट' और 'मिशन इस्तांबुल' में काम किया, लेकिन उन्हें मनचाही पहचान नहीं मिली।

नसूरी में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की तबीयत बिगड़ी



मसूरी में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की तबीयत बिगड़ गई थी। उनकी पीठ में खिंचाव आने और ठंड के कारण दर्द होने की बात सामने आई थी। इसके बाद उन्हें देहरादून के राजपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में ठहराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। फिलहाल अक्षय कुमार मसूरी के होटल सर्वाय में ठहरे हुए हैं। अक्षय कुमार की टीम के अनुसार, मसूरी के लाइवरी चौक पर शूटिंग के दौरान अचानक उनकी पीठ में दर्द उठा, जिसके बाद शूटिंग रोकनी पड़ी। वह मंगलवार को दिल्ली से सड़क मार्ग के जरिए कार से उतराखंड पहुंचे थे। उन्हें यहां दो दिन तक शूटिंग करनी थी। बुधवार सुबह तबीयत बिगड़ने के कारण वह शूटिंग के लिए मसूरी नहीं पहुंच पाए। अब दर्द में कुछ राहत मिलने के बाद अक्षय कुमार दोबारा मसूरी पहुंच गए हैं। वह फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। हालांकि, अगर दर्द ज्यादा बढ़ता है तो वह दिल्ली लौट सकते हैं।

फिल्म 'समुक' की शूटिंग के लिए अक्षय पहुंचे उत्तराखंड

अक्षय कुमार इन दिनों साइंस-फिक्शन सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'समुक' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं, जबकि निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं। फिल्म का ब्रिटेन शेड्यूल हाल ही में पूरा हुआ है। इसे 2027 में रिलीज करने की योजना है।

सुनीता बेबी के देसी डांस पर झूम उठे बुजुर्ग

हरियाणवी लोकगीतों और मंचीय नृत्य का आकर्षण लोगों के बीच लगातार बना हुआ है। हरियाणवी डांस सुनीता बेबी के डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर दर्शकों का ध्यान खींचते रहते हैं। उनके पुराने मंचीय कार्यक्रमों के वीडियो भी समय-समय पर इंटरनेट पर साझा किए जाते हैं और दर्शक उन्हें खूब देखते हैं। सुनीता बेबी अपने चटपटे अंदाज, फुर्तीले डांस स्टेप और हरियाणवी गीतों पर प्रस्तुति के लिए जानी जाती हैं। उनके कार्यक्रमों में दर्शकों की भागीदारी भी देखने को मिलती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में होने



वाले मंचीय कार्यक्रमों में हरियाणवी गीत-संगीत का अलग ही उत्साह रहता है। सुनीता बेबी के नृत्य से जुड़े कई

पुराने वीडियो यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। इनमें उनके मंच पर प्रस्तुति देने के दौरान दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी दिखाई देती हैं। कुछ वीडियो में बुजुर्ग दर्शक भी संगीत की धुन पर झूमते नजर आते हैं। यही वजह है कि ऐसे वीडियो मनोरंजन सामग्री के रूप में बार-बार साझा किए जाते हैं। हरियाणवी संगीत की लोकप्रियता में मंचीय नृत्य कार्यक्रमों और सोशल मीडिया की अहम भूमिका रही है। सपना चौधरी के बाद सुनीता बेबी सहित कई कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए दर्शकों के बीच पहचान बनाई

हेडन पैनेटीयर के साथ हुई थी दुर्व्यवहार की कोशिश

हॉलीवुड अभिनेत्री और गायिका हेडन पैनेटीयर ने अपने जीवन के एक भयावह अनुभव का खुलासा किया है। अभिनेत्री के मुताबिक, जब वह महज 18 साल की थीं, तब उनकी एक भरोसेमंद सहेली उन्हें दक्षिण फ्रांस में एक आलीशान नौका पर बने छोटे से कमरे में ले गईं। वहां एक बेहद मशहूर व्यक्ति बिस्तर पर बिना कपड़ों के लेटा हुआ था। अभिनेत्री का आरोप है कि उनकी सहेली ने उन्हें उस व्यक्ति के साथ बिस्तर पर लेटने और यौन गतिविधियों में शामिल होने के लिए कहा। इस घटना ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया था।

36 वर्षीय हेडन ने यह आपबीती अभिनेता और प्रस्तोता जे शेड्री के पॉडकास्ट 'ऑन पर्स' में साझा की। उन्होंने बताया कि उस समय वह मनोरंजन जगत में अपना करियर बना रही थीं और अपनी सहेली पर पूरा भरोसा करती थीं। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि जिस व्यक्ति को वह अपना शुभचिंतक और रक्षक समझती थीं, वही उन्हें ऐसी असहज परिस्थिति में पहुंचा देगा।

सहेली ने कमरे में पहुंचाकर छोड़ा: अभिनेत्री के अनुसार, वह दक्षिण फ्रांस में कई मशहूर हस्तियों की मौजूदगी वाली एक आलीशान नौका पर थीं। यात्रा के दौरान उनकी करीबी सहेली उन्हें नौका के नीचे बने एक छोटे से निजी कमरे में ले गईं। वहां एक मशहूर व्यक्ति बिस्तर पर लेटा हुआ था। हेडन के मुताबिक, उनकी सहेली ने उन्हें उसके साथ बिस्तर पर जाने के लिए कहा और फिर वहां से चली गईं। हेडन ने बताया कि उस समय उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आखिर उनके साथ यह सब क्यों हो रहा है। उन्हें स्थिति की गंभीरता का एहसास होने पर लगा कि वह खतरे में हैं।

दक्षिण फ्रांस की नौका पर घटना: मशहूर व्यक्ति के साथ बिस्तर पर जाने के लिए कहे जाने का दावा

बंदूक की जगह हाथ में 'आशीर्वाद का दिया'

अबूझमाड़ में हिंसा के अंधेरे से जनसेवा और आत्मनिर्भरता की नई ओर

छत्तीसगढ़ का नारायणपुर जिला और विशेष रूप से अबूझमाड़ का दुर्गम क्षेत्र लंबे समय तक भय, हिंसा और नक्सली साए की भयावहता झेलता रहा। कभी जिन हाथों ने भटकाव की राह पर बंदूकें उठाई थीं, वे अब समाज निर्माण और आत्मनिर्भरता का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन की 'नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025' ने अबूझमाड़ के युवाओं को केवल हथियार छोड़ने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उनके लिए सम्मानजनक जीवन, परिवार से पुनर्मिलन और आर्थिक स्वावलंबन के नए द्वार खोल दिए हैं। आज नारायणपुर में पुनर्वास की यह प्रक्रिया केवल कागजी दावों तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर एक जीवंत सामाजिक क्रांति के रूप में दिखाई दे रही है।



सद्भावना और सामाजिक स्वीकार्यता का एक सशक्त संदेश था। इस अनूठी सहभागिता ने समाज में आपसी विश्वास को मजबूत करते हुए 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प को नई ऊर्जा दी है। यह सुखद बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण है कि जब संवेदनशील नीतियां सही दिशा में आजीविका, सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ती हैं, तो परिवर्तन स्वयं चलकर आता है और हिंसा का अधेरा छटकर स्थायी शांति की नई ओर में बदल जाता है।

हिंसा के अधियारे को पीछे छोड़ मुख्यधारा में लौटे वे आत्मसमर्पित व्यक्ति अब केवल अपनी आजीविका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनसेवा और सामाजिक आयोजनों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में जब इन्होंने एक साथ दीप प्रज्वलित किए, तो वह केवल एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों में शांति, सद्भावना और सामाजिक स्वीकार्यता का एक सशक्त संदेश था। इस अनूठी सहभागिता ने समाज में आपसी विश्वास को मजबूत करते हुए 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प को नई ऊर्जा दी है। यह सुखद बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण है कि जब संवेदनशील नीतियां सही दिशा में आजीविका, सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ती हैं, तो परिवर्तन स्वयं चलकर आता है और हिंसा का अधेरा छटकर स्थायी शांति की नई ओर में बदल जाता है।

वैदिक संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण का संकल्प लेकर पोर्ट ब्लेयर पहुंचे भिलाई के आर्य समाजी



आचार्य डॉ. अजय आर्य के नेतृत्व में वैदिक यज्ञ, धर्म जागरण और आर्य समाज के सुदृढीकरण का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / पोर्ट ब्लेयर

सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और प्राचीन वैदिक परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार का संकल्प लेकर भिलाई के आर्य समाजियों ने अंडमान-निकोबार के पोर्ट ब्लेयर स्थित आर्य समाज में वैदिक यज्ञ किया। आचार्य डॉ. अजय आर्य के नेतृत्व में आयोजित इस यज्ञ में सभी ने श्रद्धापूर्वक आहुतियाँ अर्पित करते हुए विश्व कल्याण, सामाजिक सद्भाव और वैदिक विचारधारा के प्रसार की कामना की।

इस अवसर पर आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि आर्य समाज की वैदिक विचारधारा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वेदों

सोसाइटी सेक्टर-4 के सदस्यों का सम्मान

भिलाई। बीएसपी से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने सेक्टर-4 सी-मार्केट के सोसाइटी की सदस्यों को अपने जीवन का महत्वपूर्ण अधिकतम बताया। सोसाइटी की उपलब्धि आजीवन विरादरी समारोह में सेवानिवृत्त सदस्यों का सम्मान कर उन्हें अभिनंदन भारत के चेक प्रदान किए गए। अध्यक्ष सूरज देवांगन ने सदस्यों को सम्मानित करते हुए कहा कि सोसाइटी के प्रति सदस्यों का विश्वास और अपनत्व ही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपना अनुभव साझा किया। सेक्टर-4 निवासी सुधाकर सिंह चौधरी के तीन पुत्रों का चयन प्रतिष्ठित संस्थानों में होने के बाद आशिष जसवानी ने सोसाइटी को सबसे बड़ा महादानी बताया हुए कहा। इस अवसर पर एक्सीलेंस निगम के लक्ष्मी चंद्र गुप्ता ने भी कहा कि सोसाइटी होने के बाद अन्य जरूरतों के लिए उन्हें सोसाइटी से ही आर्थिक मदद मिली।

कांग्रेस-सपा गठबंधन में सीटों पर फंसा पेच

165 पर कांग्रेस की दावेदारी, सपा 50 पर अड़ी

नई दृष्टिबिंदु / लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है। लोकसभा चुनाव 2024 में बेहतर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस 403 में से 150 से ज्यादा सीटों पर दावेदारी कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी उसे 50-55 सीटों से ज्यादा देने के मुद्दे में नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस वाररूम ने 2012, 2017, 2022 विधानसभा और 2024 लोकसभा नतीजों के आधार पर 165 सीटों की लिस्ट



तैयार की है। इसे तीन कैटेगरी में बांटा गया है -

कैटेगरी अ (100 सीटें): जहां कांग्रेस खुद को सबसे मजबूत मान रही है।

कैटेगरी इ (40 सीटें): जहां पार्टी दूसरे नंबर पर रही या मजबूत आधार है।

कैटेगरी उ (25 सीटें): अन्य संभावित सीटें।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा का जोर है कि रायबरेली और अमेठी की सभी 10 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस लड़े और प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों के तहत कम से कम एक विधानसभा सीट पर

कांग्रेस की मौजूदगी हो।

उधर सपा का फॉर्मूला अलग है। अखिलेश यादव खेमा 2022 के सहयोगी फॉर्मूले को आधार बना रहा है। तब सपा ने फूड और सुभासपा के लिए कुल 53 सीटें छोड़ी थीं। सपा का तर्क है कि केवल उन्हीं 46 से 55 सीटों पर कांग्रेस को मौका दिया जाए जहां 2022 में उसके उम्मीदवार को 10 हजार या उससे ज्यादा वोट मिले थे। अखिलेश यादव का कहना है कि लड़ाई सीटों की संख्या की नहीं, जीतने योग्य सीटों की है।

गठबंधन में अंदरूनी खिंचाव के संकेत भी दिख रहे हैं। हाल में दिल्ली में स्वामी प्रसाद मोर्य और पल्लवी पटेल के करीबियों से प्रियंका गांधी की मुलाकात से सपा खेमे में असहजता बताई जा रही है। हालांकि राहुल गांधी और अखिलेश यादव के बीच व्यक्तिगत केमिस्ट्री अच्छी मानी जा रही है। कांग्रेस हाईकमान चाहता है कि 15 नवंबर तक सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला हो जाए। अब देखना होगा कि दोनों दल समय रहते किसी समझौते पर पहुंच पाते हैं या नहीं।

आईडीबीआई बैंक के प्राइवेटाइजेशन का रास्ता साफ

कनाडा की फेयरफैक्स को बिकेगी 60.72% हिस्सेदारी

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने IDBI बैंक में अपनी और LIC की कुल 60.72% हिस्सेदारी बेचने की मंजूरी दे दी है। कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (CCEA) ने कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की इकाई कनाडा इंक को इसका रणनीतिक खरीदार बनाया है। डील की रकम 52,878 करोड़ रुपये है, जो भारतीय वित्तीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा FDI बताया जा रहा है।

डील की मुख्य बातें:

किसकी कितनी हिस्सेदारी बिकेगी: सरकार की 30.48% और LIC की 30.24% हिस्सेदारी बिकेगी। बिक्री के बाद सरकार के पास 15% और LIC के पास 19% हिस्सेदारी बचेगी।

शेयर का भाव: फेयरफैक्स ने 81 रुपये प्रति शेयर की बोली लगाई है। सरकार के अनुसार यह दो स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा तय बेंचमार्क प्राइस 75.99 रुपये से अधिक है। पहले FY26 में



94.42 रुपये का रिजर्व प्राइस रखा गया था, लेकिन बोलियां उससे कम आने पर उसे मंजूर नहीं किया गया था। बाद में नई प्रक्रिया में यह सीदा तय हुआ।

कंट्रोल: 51% से अधिक हिस्सेदारी के साथ मैनेजमेंट कंट्रोल फेयरफैक्स के पास होगा। उसे अल्ट्राशेयर शेयरधारकों के लिए ओपन ऑफर लाना होगा।

अन्य शर्तें: फेयरफैक्स की पहले से CSB बैंक में हिस्सेदारी है। RBI नियमों के तहत उसे 2 साल में या तो CSB का IDBI में विलय करना होगा या CSB से निकलना होगा। निवेश किया गया पैसा 3 साल तक लॉक-इन रहेगा।

मुनाफे में वापसी के बाद बिक्री

IDBI बैंक कभी NPA के कारण RBI के प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन में था। सरकार और LIC ने इसे उबारने के लिए बड़ी पूंजी लगाई, जिसके बाद बैंक मुनाफे में लौटा। वित्त वर्ष 2026 में बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया। सरकार इसे एयर इंडिया के बाद सबसे बड़ा रणनीतिक विनिवेश बता रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसे रणनीतिक पुनर्गठन बताया है। DIPAM सचिव अरुणिश चावला के अनुसार शेयर परचेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर RBI की फिट एंड प्रॉपर मंजूरी के बाद होगा और सौदा इसी वित्त वर्ष में पूरा होने की उम्मीद है।

कर्मचारियों की चिंता

बैंक अधिकारियों के संगठन ने इस सौदे पर सवाल उठाए हैं। वर्तमान में IDBI में करीब 20 हजार से अधिक कर्मचारी हैं। संगठन का कहना है कि निजीकरण के बाद नौकरी की सुरक्षा और आरक्षण रोस्टर को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए। DIPAM ने कहा है कि अल्ट्राशेयर शेयरधारकों के हित सुरक्षित रहेंगे।

विजयादशमी पर डॉ. सतीश मुनि जी महाराज बने श्रमण संघ के छत्तीसगढ़ प्रवर्तक, आचार्य शिव मुनि जी ने सूरत से की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विजयादशमी के पावन अवसर पर श्रमण संघ को नया छत्तीसगढ़ प्रवर्तक मिल गया है। श्रमण संघ के सर्वोच्च संत आचार्य भगवत ध्यानयोगी पूज्य डॉ. शिव मुनि जी महाराज ने डॉ.



सतीश मुनि जी महाराज को श्रमण संघ का छत्तीसगढ़ प्रवर्तक नियुक्त किया है। इसकी घोषणा सूरत, गुजरात से की गई। घोषणा के साथ ही छत्तीसगढ़ सहित देशभर के श्रावक-श्राविकाओं और जैन समाज में हर्ष और उत्साह का माहौल है।

डॉ. सतीश मुनि जी महाराज, लोकमान्य संत एवं वाणी भूषण पूज्य

गुरुदेव श्री रतन मुनि जी महाराज के सेवाभावी शिष्य हैं। पूज्य रतन मुनि जी महाराज ने अपने ज्ञान, तप, त्याग और साधना से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में धर्म, अध्यात्म और अहिंसा की अलख जगाई और लंबे समय तक छत्तीसगढ़ प्रवर्तक के रूप में सेवाएं दीं। उनके देवलोक गमन के बाद से यह सद रिक्त था। डॉ. सतीश मुनि जी महाराज विगत कई वर्षों से श्रमण संघ में उपप्रवर्तक के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। अब उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने से श्रद्धालुओं में नई आशा और उत्साह का संचार हुआ है।

पार्षद विक्रम चंद्राकर ने रोपे पौधे

भिलाई। रिसाली नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 6 में वार्ड 35 के पार्षद विक्रम चंद्राकर के जन्मदिन पर विशेष स्वच्छ विभिन्न स्थानों में पौधे का कार्य किया गया। मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, वार्डों के पार्षदों पीपल एवं नीम के पौधों का रोपण किया। इस दौरान सोसायटी के अध्यक्ष रामशंकर यादव, सांसद प्रतिनिधि ईश्वरी सोनकर, दुर्गा साहू, परमजीत, विजय संधवारी हरीश साहू, ओमप्रकाश साहू, महेश साहू आदि मौजूद थे।

आयोजन कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

नवरात्रि पर सुखताल संगीत महोत्सव का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

कोसीर मुख्यालय के ग्राम बटाऊपाली (अ) में नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर रविवार को सुरताल संगीत महोत्सव के तहत रात्रिकालीन भव्य संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत, भाव संगीत, भक्ति संगीत, तबला वादन, सितार वादन एवं कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना से हुआ। मां वैष्णवी संगीत महाविद्यालय, रानीसागर सारंगढ़ के छात्र-छात्राओं एवं प्राचार्य लीलाधर वैष्णव ने सामूहिक सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

कथक नृत्य ने बांधा सम्राट

राष्ट्रीय कथक नृत्यांगना यामी वैष्णव ने रायगढ़ घराने के पारंपरिक कथक बोलों पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुति में लयकारी, भाव-भंगिमाओं का सुंदर समन्वय दिखा। तबले पर रुद्र वैष्णव, पट्ट में



प्रीति वैष्णव तथा हार्मोनियम पर लीलाधर वैष्णव ने संगत की। आमंत्रित कलाकार देवप्रसाद पाटले ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया।

तबला, शास्त्रीय गायन व सितार वादन

सामूहिक तबला वादन में अमरदीप कुंरे, मुकुंद दास महंत एवं उत्तम बरेठ ने प्रस्तुति दी,

हार्मोनियम पर जसपाल रत्नाकर ने संगत की। शास्त्रीय गायन में संगीत प्रवीण मायाराम बघेल ने सुमधुर प्रस्तुति दी, तबले पर बजरंग चौहान ने साथ दिया।

सितार वादन में प्राचार्य लीलाधर वैष्णव ने रागों की परंपरा के अनुरूप मसौतखानी एवं राजाखानी गत प्रस्तुत की, वहीं राग पीलू पर

आधारित लाइट म्यूजिक ने कार्यक्रम में अलग रंग भर दिया। देवेश वैष्णव, कृषि टंडन, रथराम पटेल, श्रुति वैष्णव, प्रकाश केवट सहित अन्य कलाकारों ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां दीं। मां वैष्णवी संगीत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी शास्त्रीय गायन, भाव संगीत, तबला वादन एवं कथक नृत्य में अपनी प्रतिभा दिखाई।

गरिमानटी उपस्थिति

मुख्य अतिथि के रूप में बसपा से जुड़े दयाराम खुराना, जनपद सदस्य प्रतिनिधि भैरव नाथ जाटवर तथा वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपप्राचार्य रुद्र वैष्णव, प्रशिक्षक प्रीति वैष्णव सहित कई कलाकार मौजूद रहे। इस संगीत महोत्सव का आयोजन डॉ. गंगाराम रत्नाकर एवं श्रीमती मीना रत्नाकर, बटाऊपाली द्वारा किया गया। आयोजन में छत्रपाल रत्नाकर, नीता रत्नाकर, वरुण देव, बलराज साहू, हर्षद जांगड़े, प्रद्युम्न कुमार चंद्रा, सोनिया रत्नाकर, चंद्रिका रत्नाकर एवं प्रियंका जटवार का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन दरिकांत रात्रि ने किया।

विद्यार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान के समन्वय को दर्शाया

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में 4 अक्टूबर 2024 को विश्व पशु कल्याण दिवस के अंतर्गत आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा, दैनिक जीवन में जैव विज्ञान के उपयोग तथा कोविड-19 जैसी महामारी विषयों पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक पोस्टर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. विमा शेठ ने किया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. सरला मोहंता ने बताया कि रूवाईडलाइफ-2025 विश्व पशु के अंतर्गत आयोजित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का एक सार्थक प्रयास रहा है।

GOSWWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

◆ Hoardings ◆ Flex Banner ◆ Vinyl Printing
◆ One Way Vision ◆ Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address - 3rd Floor Shop No-1, Arcia Tower, M.C. Market

अर्चना फ्लाइ ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रियल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें 9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg

Followed by s_andeep

Follow Message

Order Now: @baked.by.suhani MO.6263734520